>

Title: Need to accord permission for opium farming in Himachal Pradesh.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला): मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं कि अफीम अपने आप में एक सामाजिक बुराई जरूर बनी, लेकिन औषधीय विज्ञान में इसका नाम सबसे ऊपर आता है। यह केवल नशे के लिए ही प्रयुक्त नहीं होती है, बल्कि आयुर्वेद, आयुष, होम्योपैथ एवं एलोपैथिक दवाओं में बहुतायत से प्रयोग की जाती है। हमारे देश में दो-तीन प्रदेशों में इसकी खेती के लिए लाइसेंस दिए जाते हैं। मैं आपके माध्यम से सदन एवं वित्त मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश में पहले अफीम की खेती बहुतायत में होती थी, लेकिन कतिपय कारणों से उसे बंद कर दिया गया है, जिसके कारण हिमाचल प्रदेश के किसानों की स्थिति दयनीय हो गई है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु, विशेष रूप से सिरमौर जिला अफीम की खेती के लिए सर्वथा उपयुक्त है एवं वहां बहुत अच्छी पैदावार हुआ करती थी। अतः मैं माननीय वित्त मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि हिमाचल प्रदेश, विशेषकर सिरमौर, शिमला, मंडी और कुल्लू आदि जिलों में अफीम की खेती किए जाने की अनुमति शीघ्रातिशीघ्र प्रदान की जाये।